केंद्रीय विद्यालय संगठन, देहरादून संभाग

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN, DEHRADUN REGION

पूर्व-परिषदीय परीक्षा: 2025-26 **SET-II**

PRE-BOARD EXAMINATION: 2025-26

कक्षा : बारहवीं विषय : हिंदी आधार (302)

निर्धारित समय : 03 घंटे अधिकतम अंक : 80

सामान्य निर्देश / GENERAL INSTRUCTIONS:

1. निम्नलिखित प्रश्नों को सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-
2. यह प्रश्न पत्र तीन खंडो में विभाजित है
3. खंड-क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
4. खंड- ख में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
5. खंड-ग में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
6. तीनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
7. यथासंभव तीनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए ।

प्रश्न सं		**खंड –क (अपठित बोध)**	अंक 18
1.		**निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**	**10**
		कवियों, शायरों तथा आम आदमी को सम्मोहित करने वाला 'पलाश' आज संकट में है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यदि इसी प्रकार पलाश का विनाश जारी रहा. तो यह 'ढाक के तीन पात' वाली कहावत में ही बचेगा अरावली और सतपुड़ा पर्वत शृंखलाओं में जब वृक्ष चैत (बसंत) में फूलता था, तो लगता था कि वन में आग लग गई हो अथवा अग्निदेव फूलों के रूप में खिल उठे हों। पलाश पर एक-दो दिन में ही संकट नहीं आ गया है। पिछले तीस-चालीस वर्षों में दोना-पत्तल बनाने वाले कारखाने बढ़ने, गाँव-गाँव में चकबंदी होने तथा वन माफियाओं द्वारा अंधाधुंध कटाई करने के कारण उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, पश्चित बंगाल, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, कर्नाटक, महाराष्ट्र आदि प्रांतों में पलाश के वन घटकर 10% से भी कम रह गए हैं। वैज्ञानिकों ने पलाश वनों को बचाने के लिए ऊतक संवर्धन (टिशू कल्चर) द्वारा परखनली में पलाश के पौधों को विकसित कर एक अभियान चलाकर पलाश वन रोपने की योजना प्रस्तुत की है। हरियाणा तथा पुणे में ऐसी दो प्रयोगशालाएँ भी खोली गई हैं। एक समय था जब बंगाल का पलाशी का मैदान तथा अरावली की पर्वत मालाएँ टेसू के फूलों के लिए दुनियाभर में मशहूर थी। विदेशों से लोग पलाश के रक्तिम वर्ण के फूल देखने आते थे। बुंदेलखंडी, राजस्थानी, हरियाणवी, पंजाबी लोक गीतों में पलाश के गुण गाए गए हैं। कबीर ने तो **'खांखर भया पलाश'** कहकर पलाश की तुलना एक ऐसे सुंदर-सजीले नवयुवक से की है, जो अपनी जवानी में तो सबको आकर्षित कर लेता है, किंतु बुढ़ापे में अकेला रह जाता है। वसंत व ग्रीष्म ऋतु में जब तक टेसू में फूल व हरे-भरे पत्ते रहते हैं. उसे सभी निहारते हैं, किंतु शेष आठ महीने वह पतझड़ का शिकार होकर झाड़-झंखाड़ की तरह रह जाता है। पर्यावरण के लिए प्लास्टिक-पॉलिथीन पर रोक लगने के बाद पलाश की उपयोगिता महसूस की गई, जिसके पत्ते दोने, थैले, पत्तल, थाली, गिलास सहित न जाने कितने उपयोग में आ सकते हैं। पिछले तीस-चालीस वर्षों में 90% वन नष्ट कर दिए	

		गए। बिना पानी के बंजर, ऊसर तक में उग आने वाले इस पेड़ की नई पीढ़ी तैयार नहीं हुई। यदि यही स्थिति रही और समाज जागरूक न हुआ, तो पलाश विलुप्त वृक्ष हो जाएगा।	
	क.	निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: **कथन (1) कबीर ने पलाश की सुंदरता को जवानी में आकर्षित करने वाले युवक के समान बताया है।** **कथन (II) टेसू में फूल व हरे-भरे पत्ते पूरे वर्ष लगे रहते हैं।** **कथन (III) पलाश का उपयोग पत्ते, दोना, थाली, गिलास आदि बनाने में किया जाता है।** उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? **(i)** कथन (1) **(ii)** कथन (II) **(iii)** कथन (1) और कथन (III) **(iv)** कथन (II) और कथन (III)	1
	ख.	कथन (A): कबीर ने पलाश के बारे में 'खांखर भया पलाश' कहा है। कथन (R): टेसू के फूल व हरे-भरे पत्ते रहने पर यह सबके आकर्षण का केंद्र रहता है, परंतु पतझड़ में कोई इसकी ओर देखता तक नहीं है। (i) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है (ii) कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है। (iii) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है। (iv) कथन (A) सही है, परंतु कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।	1
	ग.	गद्यांश में लेखक की चिंता का क्या कारण है? (i) पलाश के वृक्षों का घटता स्तर (ii) ऊतक संवर्धन की कमी (iii) पर्यावरण की सुरक्षा (iv) वन में आग लगना	1
	घ.	पलाश की उपयोगिता कब महसूस की गई ?	1
	ङ.	वैज्ञानिकों ने पलाश के वृक्षों को बचाने के लिए क्या किया है?	2
	च.	पलाश के वनों में कमी आने के क्या कारण हैं?	2
	छ.	पलाश की क्या उपयोगिता है ?	2
2.		**दिए गए पद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-**	1*5=5
		अकेलेपन से जो लोग दुखी हैं वृतियाँ उनकी निश्चय ही बहिर्मुखी हैं। सृष्टि में बाँधने वाला तार उनका टूट गया है, असली आनंद का आधार छूट गया है। उद्गम से छूटी हुई नदियों में ज्वार कहाँ ? जड़ कटे पौधों में जीवन की धार कहाँ ? तब भी, जड़ कटे पौधों के ही समान रोते हैं ये उखड़े हुए लोग बेचारे जीना चाहते हैं भीड़-भंभड के सहारे । भीड़ , मगर टूटा हुआ तार और तोड़ती है. कटे हुए पौधों की जड़ नहीं जोड़ती है। बाहरी तरंगों पर जितना ही फूलते हैं: हम अपने को उतना ही भूलते हैं। जड़ जमाना चाहते हो'तो एकांत में जाओ। अगम अज्ञात में अपनी सोरे फैलाओ अकेलापन है राह. अपने आप की पाने की जहाँ से तुम निकल चुके हो उस घर में वापस जाने की।	

	(क)	वृत्तियाँ उनकी निश्चय ही बहिर्मुखी हैं, पंक्ति के सन्दर्भ में 'वृति' का अर्थ है - (i) व्यापार (II) स्वभाव (III) कर्तव्य (IV) स्मरण शक्ति	1
	(ख)	'उद्गम से छूटी हुई नदियों में ज्वार कहाँ?'- पंक्ति का अभिप्राय है - (I) पर्वतों से अलग होने के बाद नदियों में प्रवाह नहीं रहता । (II) नदियों का अस्तित्व समाप्त हो जाता है। (III) मूल स्थान से अलग होने पर जीवन का सौन्दर्य नहीं रह जाता । (IV) विकल्प II और III सही हैं।	1
	(ग)	भीड़ का स्वभाव क्या है? (i) लोगों की आलोचना करना (II) पौधों को जड़ से काटना (III) दुखी को और दुखी करना (IV) अपने काम से काम रखना	1
	(घ)	हम अपने आप को कब भूल जाते हैं।	1
	(ङ)	कविता में कैसे लोगों की व्यथा का चित्रण हुआ है, स्पष्ट करें ?	2
	(च)	काव्य पंक्तियों के आधार पर भीड़ की विशेषताएँ लिखिए	2
प्रश्न सं		**खंड-ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्न)**	अंक-22
3.		दिए गए विषयों पर किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखें । (1) रेल की खिड़की से बाहर का दृश्य (2) कृत्रिम बुद्धि (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) (3) इंटरनेट के बिना दुनिया	1X6=6
4.		निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यान से पढ़कर किन्हीं चार प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए।	4x2=8
	(क)	पढ़ी हुई कहानी की तुलना में, परदे पर देखी कहानी को लोग ज्यादा देर तक क्यों याद रखते हैं?	
	(ख)	रेडियो नाटक में सबसे प्रमुख तत्त्व क्या है, स्पष्ट करें।	
	(ग)	अंशकालिक पत्रकार किन्हें कहते हैं?	
	(घ)	जनसंचार की चार विशेषताएँ लिखिए।	
	(ङ)	फीचर और आलेख में अंतर स्पष्ट करें।	
5.		निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में दीजिए ।	2x4=8
	(क)	विशेष रिपोर्ट से क्या आशय है? विशेष रिपोर्ट के विविध प्रकारों का सोदाहरण उल्लेख कीजिए ।	
	(ख)	संपादकीय लेख कौन लिखता है और इसका महत्त्व क्या है ?	
	(ग)	कहानी और नाटक में समानताएँ और असमानताएँ लिखिए ।	
		खंड-ग (पाठ्य पुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित प्रश्न)	अंक40
6.		निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए ।	5x1=5
		बात सीधी थी पर एक बार आषा के चक्कर में जरा टेढ़ी फंस गई।	

		उसे पाने की कोशिश में आषा को उल्टा पल्टा, तोड़ा मरोड़ा घुमाया फिराया कि बात या तो बने या फिर भाषा से बाहर आए - लेकिन इससे भाषा के साथ-साथ बात और भी पेचीदा होती चली गई सारी मुश्किल को धैर्य से समझे बिना मैं पेंच को खोलने की बजाय बेतरह कसता चला गया क्योंकि इस करतब पर मुझे सुनाई दे रही थी तमाशबीनों की शाबासी और वाह-वाह । आखिरकार वही हुआ, जिसका मुझे डर था। जोर जबरदस्ती से बात की चूड़ी मर गई और वह भाषा में बेकार घूमने लगी	
	(क)	सीधी बात किस के चक्कर में टेढ़ी फँस गई? (i) तर्कशास्त्र के (II) विज्ञान के (III) भाषा के (IV) उपर्युक्त सभी के	1
	(ख)	कवि क्या करने का प्रयास कर रहा था? (i) दीवार में कील ठोक रहा था (II) बात सुलझाने की कोशिश कर रहा था (III) दीवार में पेंच कस रहा था (IV) काव्य रचना कर रहा था	1
	(ग)	भाषा को उलटने-पलटने, तोड़ने-मरोड़ने और घुमाने-फिराने से बात कैसी हो जाती है? (i) सरल (II) स्पष्ट (III) पेचीदा (IV) प्रभावकारी	1
	(घ)	**कथन (A): बात को सुलझाने में सबसे ज्यादा आवश्यकता धैर्य की होती है-** **कारण (R): आसपास एकत्र भीड़ इसमें सहायक होती है।** (i) कथन A सही है और कारण R भी सही है। (II) कथन A सही है और कारण R उसकी सही व्याख्या नहीं करता है। (III) कथन A सही है और कारण R उसकी सही व्याख्या करता है। (IV) कथन A. गलत है और कारण R भी गलत है	1
	(ङ)	'बात की चूड़ी मर जाना' से कवि का तात्पर्य है- (i) बात का प्रभावहीन हो जाना (II) बात का सहज और स्पष्ट हो जाना (III) बात में कसावट आ जाना (IV) उपर्युक्त में से कोई नहीं	1
7.		निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं <u>02</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखें।	2x3=6
	(क)	तुलसीदास ने कवितावली के छंदों के माध्यम से आजीविका विहीन समाज का चित्रण किस प्रकार किया है?	3
	(ख)	'बादल राग' कविता के आधार पर लिखें कि बादलों के आने से प्रकृति में क्या-क्या परिवर्तन हुए।	3
	(ग)	'आत्मपरिचय' कविता के आधार पर कवि की भावनागत और समाजगत विशेषताओं का चित्रण	3

कीजिए।

8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखें। — 2x2=4

(क) पतंग कविता में 'सबसे तेज बौछारें गई, भादों गया का भाव स्पष्ट करें। — 2

ख) 'कैमरे में बंद अपाहिज कविता' में संचालक अपने को सर्वशक्तिमान क्यों कहता है? — 2

(ग) 'उषा' कविता में काली सिल पर पिसी केसर का साम्य किस प्रकार सुबह से किया गया है? — 2

9. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। — 5x1=5

मैंने मन में कहा, ठीक। बाज़ार आमंत्रित करता है कि आओ मुझे लूटो और लूटो। सब भूल जाओ, मुझे देखो। मेरा रूप और किसके लिए है ? मैं तुम्हारे लिए है। नहीं कुछ चाहते हो, तो भी देखने में क्या हर्ज है। अजी आओ भी। इस आमंत्रण में यह खूबी है कि आग्रह नहीं है आग्रह तिरस्कार जगाता है लेकिन ऊँचे बाज़ार का आमंत्रण मूक होता है और उससे चाह जगती है। चाह मतलब अभाव। चौक चाज़ार में खड़े होकर आदमी को लगने लगता है कि उसके अपने पास काफ़ी नहीं है और चाहिए, और चाहिए। मेरे यहाँ कितना परिमित है और यहाँ कितना अतुलित है, ओह! कोई अपने को न जाने तो बाज़ार का यह चौक उसे कामना से विकल बना छोड़े। विकल क्यों, पागल। असंतोष, तृष्णा और ईर्ष्या से घायल करके मनुष्य को सदा के लिए यह बेकार बना डाल सकता है।

(क) गद्यांश में प्रयुक्त 'अतुलित 'शब्द का समानार्थी शब्द हो सकता है- — 1

(i) अनंत (II) अथाह (III) अचानक (IV) सीमित

(ख) निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए गद्यांश के अनुसार सही कथन को चयनित कर लिखिए। — 1

(i) जब मनुष्य बेचैन हो जाता है तब वह बाजार की ओर उन्मुख हो जाता है।

(II) जब मनुष्य तुलना करने लगता है तब असंतोष तृष्णा और ईर्ष्या के भाव मनुष्य में उभरते

(III) जब मनुष्य को बाज़ार आमंत्रित करता है तब मनुष्य सुख का अनुभव करता है।

(IV) जब मनुष्य बाज़ार का तिरस्कार करता है तब वह इसका सही लाभ ले पाता है।

(ग) कॉलम 1-को कॉलम 2-से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए। — 1

कॉलम-1	कॉलम -2
i. आग्रह तिरस्कार जगाता	i. अपनी तृष्णा को रोकना
ii. बड़े बाज़ार का जादू	II. मौन रहकर कार्य करना
iii. बाज़ार के जादू से बचने का उपाय	iii. उपेक्षा की भावना

(क)-1 (iii), 2-(il), 3-(1) (ख)-1 (1), 2-(iii), 3-(II)

(ग) 1 (ii), 2-(1), 3-(iii) (घ) 1 (ii), 2-(i), 3-(iii)

(घ) गद्यांश का केंद्रीय भाव है- — 1

(I) बाज़ार के प्रकार बताना (II) बाज़ार न जाने की सलाह

(III) मनुष्य की तृष्णा को इंगित करना (IV) मनुष्य पर बाजार के जादू का असर

(ङ) बाज़ार का आमंत्रण कि', आओ मुझे लूटो 'से क्या भाव प्रकट है? — 1

I-बाज़ार में सेल लगी है। ||-बाज़ार केवल खुद का रूप दिखाना चाहता है

III-बाज़ार के पास वस्तुएँ बहुत ज्यादा है IV-बाजार लुटने की बजाय हमें लूट रहा है।

10. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग लगभग 60 शब्दों में — 2x3=6

		लिखें	
	(क)	जाति प्रथा भारतीय समाज में बेरोजगारी व भुखमरी का भी एक कारण कैसे बन रही है? क्या यह स्थिति आज भी है?	3
	(ख)	द्विवेदी जी ने शिरीष की किन विशेषताओं के आधार पर उसे 'अद्भुत अवधूत' कहा है, लिखिए।	3
	(ग)	लुट्टन के जीवन में आने वाले महत्त्वपूर्ण मोड़ / परिवर्तन क्या थे, वर्णन करें।	3
11.		निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखें	2x2=4
	(क)	भक्तिन के आ जाने से महादेवी वर्मा अधिक देहाती कैसे हो गई?	2
	(ख)	'काले मेघा पानी दे' पाठ में लेखन किन ऊहापोहों से गुजर रहा है, पाठ के आधार पर लिखे	2
	(ग)	आधुनिक बाजार में भगत जी जैसे ग्राहक उपयोगी हैं या नहीं, अपने विचार स्पष्ट करें।	2
12.		निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखें	2x5=10
	(क)	सिल्वर वेडिंग कहानी में यशोधर बाबू बहुत सारी चीजों को 'समहाऊ इम्प्रापर' कहते और उन्हें पूरी तरीके से छोड़ भी नहीं पाते, यह कैसे व्यक्तित्व को दर्शाता है ?	5
	(ख)	जूझ कहानी का शीर्षक वर्ण्य-विषय को कितना सार्थकता प्रदान करता है स्पष्ट करें।	5
	(ग)	पुरातत्त्व के किन चिह्नों के आधार पर आप यह कह सकते हैं कि "सिंधु-सभ्यता ताकत से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी।"	5